वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

आज़ादी का अमृत महोत्सव

दिनांक – 19.08.2022

"बांस का मूल्यवर्धन – रोजगार का साधन" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

स्थान - वन अनुसंधान केंद्र, मांडर

वन उत्पादकता संस्थान, रांची के द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 19.08.2022 को वन अनुसंधान केंद्र, मांडर में "बांस का मूल्यवर्धन - रोजगार का साधन" विषय पर प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे 42 लाभुकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए संस्थान की श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की ने कार्यक्रम का परिचय एवं महत्व को बताते हुए कहा कि आज के कार्यक्रम के लिए विषय (बांस का मूल्यवर्धन - रोजगार का साधन) का चयन करने के पीछे बांस की विशाल उपयोगिता, बांस की मांग एवं सरकार तथा विभिन्न सरकारी अभिकरणों (एजेंसियों) द्वारा बांस उत्पादन को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन है। हिरोशिमा में परमाणु बम विस्फोट के बाद सर्वप्रथम उगने वाला पौधा बांस का उदाहरण देते हुए इसके आसान उत्पादन, सरकार द्वारा इसे घास की श्रेणी में लाना आदि ऐसे अनेक कारण है जिसे अपनाकर बांस उत्पादन कर रोजगार का सृजन एवं आयवर्धन संभव है। राष्ट्र को विकसित देश की श्रेणी में लाने के लिए भारत को चीन से अधिक बांस का उत्पादन करना आवश्यक है।

संस्थान के समूह समन्वयक अनुसंधान डा. योगेश्वर मिश्रा ने किसानों को राष्ट्रीय बांस मिशन के द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं का जिक्र करते हुए सरकारी अनुदान से बांस उत्पादन के विभिन्न पहलुओं को समझाया। भारतीय वन संशोधन अधिनियम 2017 के द्वारा बांस का घास की श्रेणी में आ जाने से पारगमन की समस्या का निदान हो चुका है। आसानी से आने वाले बांस को गैर वनीय, गैर कृषि क्षेत्रों में रोपण कर अधिकाधिक आयवर्धन संभव है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बांस योजना-2022 के माध्यम से अनुदान प्रक्रिया को भी विस्तार से समझाया लेकिन इसके लिए निर्धारित 60%

रोपण के समय, 30% अगले साल तक बचा लेने पर तथा 20% सफल उत्पादन को देखते हुए 50000/- रुपया प्रति हेक्टेयर प्राप्त किया जा सकता है।

डा. मिश्रा ने बांस उत्पादन के विभिन्न तकनीक, बीज द्वारा उत्पादन, नोड कटिंग द्वारा उत्पादन, ब्रांच कटिंग, पूर्ण बांस रोपण द्वारा उत्पादन को अलग-अलग विस्तार से समझाया। उन्होने बांस की प्रजातिवार उपयोगिता बताते हुए दैनिक जीवन की लगभग हर आवश्यक चीजों का निर्माण यथा कपड़ा, कोयला, दवाई से लेकर फर्नीचर सेट, चटाई, सौंदर्य सामग्री, गृह निर्माण आदि तैयार की जा रही है। संस्थान द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में चलाए जा रहें बांस रोपण परियोजना के विषय में बताते हुए कहा कि यह किसानों की जमीन पर ही लगाया जा रहा है ताकि किसान प्रोत्साहित हो सके। वन उत्पादकता संस्थान में लगभग 36

दिनांक – 19.08.2022

प्रजाति के बांस उपलब्ध है तथा व्यावसायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बांस के पौधों का भण्डार है जिसे इच्छुक किसानों को बेचने का प्रावधान है।

राक लाइट संस्था के श्री आकाश ने अपनी कम्पनी के गतिविधियों को बताते हुए किसानों को आश्वासन दिया कि सारे उत्पादित बांस को खपत करने की क्षमता हमारे कम्पनी की है और आपसे खरीद सकता हूं।

बांस के मूल्यवर्धन पर संबोधित करते हुए श्री आकाश ने बताया कि ऐसे छोटे-छोटे मशीन विकसित हो चुके है कि किसान घर में` रखकर बांस को आवश्यक आकार में परिणित कर सकते है एवं बांस से काफी अधिक मूल्य प्राप्त कर सकते है। साथ ही साथ बचे बांस को जलावन, कोयला आदि में परिणित कर अतिरिक्त आय अर्जन कर सकते है। इससे रोजगार का सृजन भी होगा। भारत में अगरबत्ती स्टिक की मांग पूरी नही हो पा रही है और चीन से आयात करना पड़ रहा है। अब सरकार ने single use प्लास्टिक के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है, इससे बांस की उपयोगिता और भी बढ़ जायेगी। उन्होने बांस का उपचार करने का घरेलू तरीका भी बताया। झारखण्ड में बांस उत्पादन की क्षमता होते हुये भी हमे असम जैसे पूर्वोत्तर राज्यों से बांस मंगाना पड़ रहा है जिसमे परिगमन खर्च काफी अधिक लग जाता है। इसके साथ हीं बांस उत्पादकर सौंदर्य सामग्री बनाकर भी बांस का काफी मूल्यवर्धन कर सकते है।

चर्चा के दौरान किसानों ने कई प्रश्न किए जिसका समाधान आवश्यकतानुसार श्री आकाश, श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की, श्री एस.एन. वैद्‌य, श्री बी.डी.पंडित, श्री राकेश कुमार सिन्हा, श्री सूरज कूमार, श्री पी.के.सिन्हा एवं श्री प्रशांत कुमार के द्‌वारा किया गया।

सत्र के आखिर में पवन कुमार, प्रशांत कुमार, राकेश कुमार सिन्हा, अंजना सुचिता तिर्की द्वारा बांस के परिष्करण के विभिन्न विधियों का प्रदर्शन किया गया। नोड कटिंग, माइक्रोप्रोलिफेरेशन आदि बांस प्रवर्धन तकनीक के विषय में बताया गया।

कार्यक्रम समापन की घोषणा से पूर्व श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की ने विषय विशेषज्ञ, किसान एवं सहयोगी कर्मचारियों का धन्यवाद किया।

कार्यक्रम में श्री एस.एन. वैद्‌य, श्री बी.डी.पंडित, श्री राकेश कुमार सिन्हा, श्री सूरज कूमार, श्री पवन कुमार सिन्हा एवं श्री प्रशांत कुमार ने सराहनीय योगदान दिया।

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आज़ादी का अमृत महोत्सव

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

"बांस का मूल्यवर्धन - रोजगार का साधन"

विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

दिनांक – 19.08.2022

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

प्रशिक्षण के दौरान बांस परिष्करण विधि का वर्णन

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)